नन्हा बीज

(कहानी)

8

एक था नन्हा-सा बीज। प्यारा-सा गुलाब का बीज। उसका घर जमीन के नीचे था। वहाँ बहुत अँधेरा था। एक दिन बीज घर में अकेला था। अचानक दरवाजे पर उसे एक आवाज सुनाई दी। खट-खट-खट। बीज ने पूछा– "कौन है बाहर?"

बाहर से एक प्यारी-सी मधुर आवाज आई– "मैं बारिश की एक बूँद हूँ। दरवाजा खोलो, मैं अंदर आना चाहती हूँ।" बूँद की आवाज सुनकर नन्हा बीज डर गया। वह डरते-डरते बोला– "नहीं, नहीं तुम अंदर नहीं आ सकतीं।" परंतु बारिश की बूँद नहीं मानी। वह खिड़की से झाँककर बोली– "अरे, दरवाजा तो खोलो। हम खूब सारी प्यारी-प्यारी बातें करेंगे।" बीज ने फिर कहा– "नहीं, नहीं मुझे डर लगता है। मैं तुम्हें अंदर नहीं बुला सकता।"

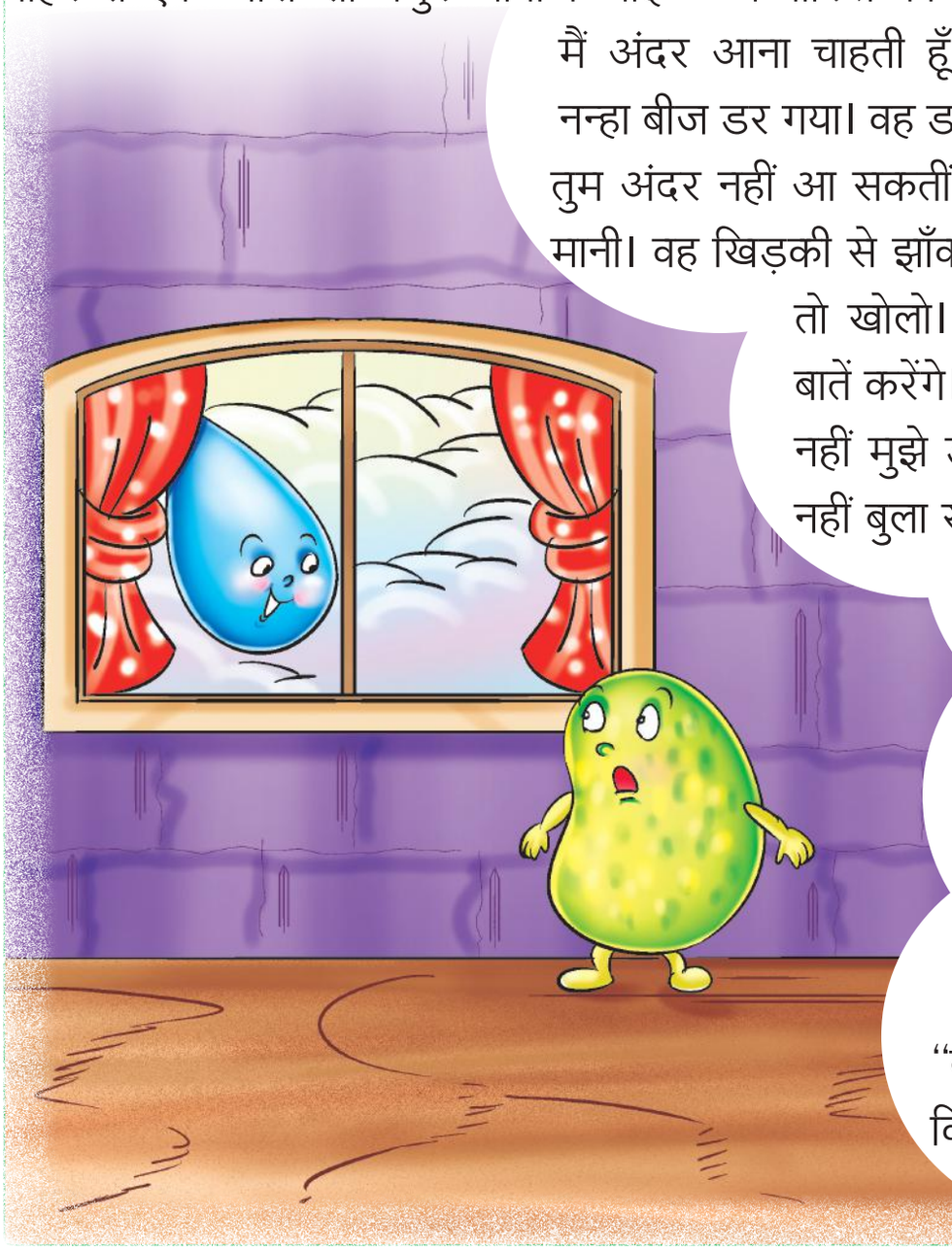

बारिश की बूँद थक-हारकर चुप हो गई। अब चारों ओर चुप्पी थी। धीरे-धीरे रात बीती। सुबह हुई। फिर नन्हे बीज के कानों में एक मीठी आवाज गूँजी। खट-खट-खट। "दरवाजा खोलो मैं सूरज की किरण हूँ, मैं तुम्हें प्रकाश देना

चाहती हूँ।" नन्हा बीज डर गया। बोला– "नहीं-नहीं तुम अंदर नहीं आ सकतीं।"

कुछ देर बाद बीज को हर तरफ टप-टप, खट-खट की आवाज सुनाई देने लगी। वह परेशान हो गया। उसने परदा हटाकर खिड़की से देखा। बारिश की बूँद और सूरज की किरण अंदर आने के लिए व्याकुल हो रही थीं। वे अंदर आना चाहती थीं।

बूँद और किरण एक साथ बोलीं– "दरवाजा खोलो, हमें अंदर आने दो। हम तुम्हें बाहरी दुनिया में ले जाकर नया रूप देना चाहती हैं।"

नन्हे बीज ने सुना था कि बाहरी दुनिया बहुत खूबसूरत है। उसका मन ललचा उठा और उसने दरवाजा खोल दिया।

जैसे ही नन्हे बीज ने थोड़ा-सा दरवाजा खोला, वे दोनों अंदर आ गईं। अंदर आते ही दोनों ने नन्हे-नन्हे हाथों में उठा लिया। अब उसका डर छू-मंतर हो गया। फिर वे उसे शीघ्रता से धरती पर ले आईं। अब उसका रूप ही बदल गया।

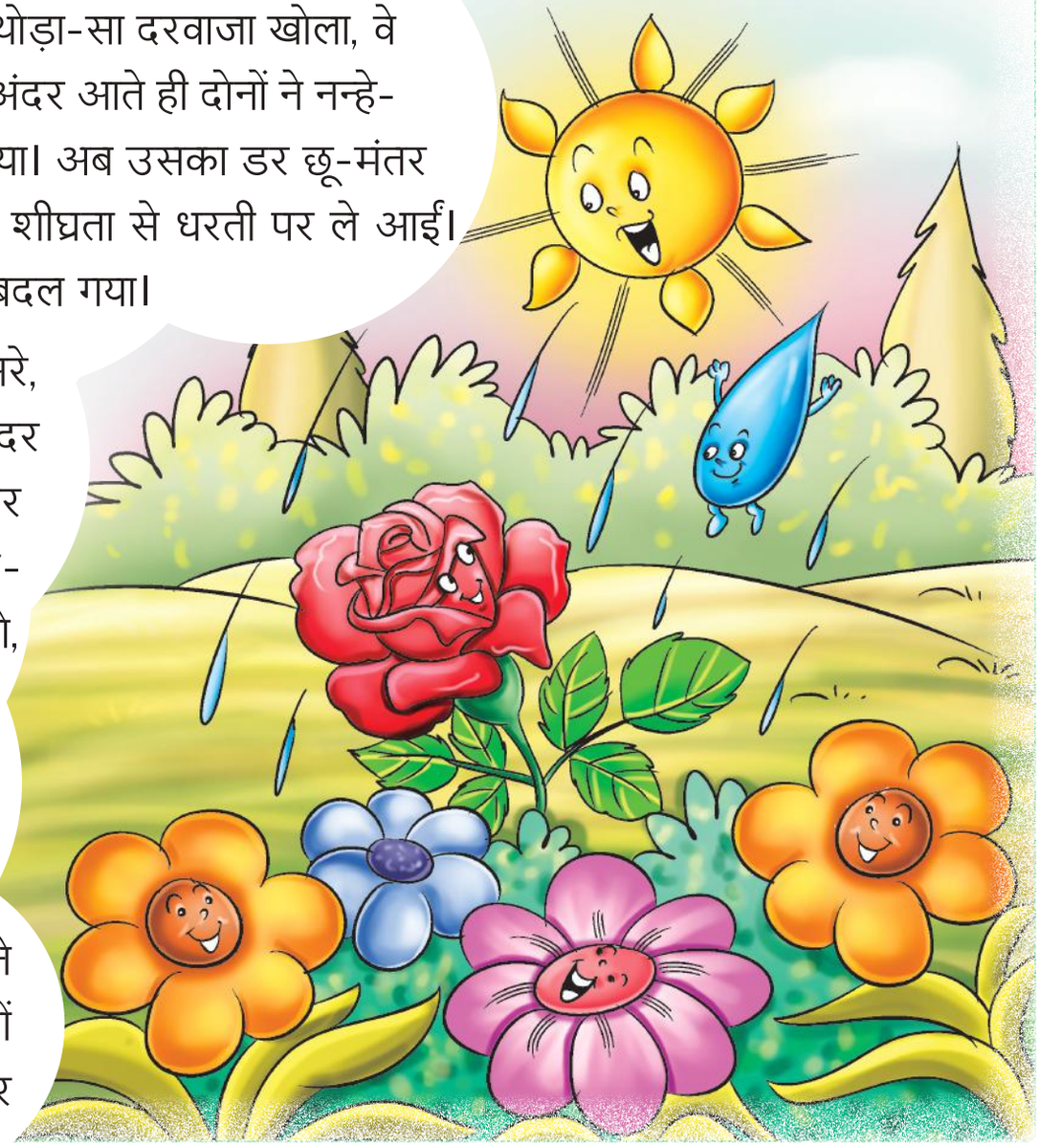

और..... और..... अरे, यह क्या! इतना सुंदर बगीचा! चारों ओर सुंदर-सुंदर, प्यारे-प्यारे फूल। रंग-बिरंगे, लाल, गुलाबी और पीले-पीले निराले फूल। उसने चारों ओर देखा। सभी फूल उसके आने से प्रसन्न थे। मानों उसका स्वागत कर रहे हों!

शब्द-भंडार

मधुर — मीठी *(sweet)*,
बारिश — बरसात *(rain)*,
प्रकाश — रोशनी *(light)*,
व्याकुल — बेचैन *(frought)*,
दुनिया — संसार *(world)*,
खूबसूरत — सुंदर *(beautiful)*,
छू-मंतर — गायब होना *(invisible)*,
रूप — शक्ल, चेहरा *(face)*,
धरती — जमीन *(earth)*,
निराले — अनोखे *(strange)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

मधुर	खूबसूरत	बारिश	छू-मंतर	प्रकाश	निराले
नन्हे	सूरज	धरती	रूप	दुनिया	व्याकुल

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) नन्हे बीज का घर कहाँ था?

(ख) सूरज की किरण नन्हे बीज को क्या देना चाहती थी?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) नन्हे से बीज का घर कहाँ था?

☐ जमीन के ऊपर ☐ आसमान में ☐ जमीन के नीचे

(ख) बीज को किस तरह की आवाज सुनाई दी?

☐ टप-टप खट-खट ☐ चटर-पटर ☐ टर-टर

(ग) नन्हे बीज ने क्या सुना था?

☐ बाहरी दुनिया खूबसूरत होती है ☐ बेकार होती है ☐ बेचैन होती है

(घ) धीरे-धीरे क्या बीतता गया?

☐ सुबह ☐ रात ☐ दिन

2. निम्नलिखित गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) खिड़की से झाँककर बारिश की बूँद ने क्या कहा?

(ख) नन्हे बीज के मन में क्या लालच आ गया?

(ग) बारिश की बूँद और सूरज की किरण ने अंदर आकर क्या किया?

(घ) नन्हे बीज ने धरती पर आकर क्या देखा?

भाषा-ज्ञान

1. विलोम शब्द लिखिए–

(क) नीचे – ..... (ख) दिन – .....

(ग) अंदर – ..... (घ) धरती – .....

(ङ) प्रसन्न – ..... (च) मीठी – .....

2. नामवाले शब्दों पर (✓) का निशान लगाइए–

☐ सूरज	☐ देना	☐ किरण	☐ थकना
☐ दरवाजा	☐ वह	☐ मुझे	☐ खिड़की
☐ डरना	☐ फूल	☐ खोलना	☐ घर

क्रियात्मक गतिविधि

- दो गमलों में अच्छी तरह से मिट्टी भरकर उसे पानी से गीला कर लीजिए। फिर उसमें किसी फूल के बीज डाल दीजिए। एक गमले को धूप में रखिए तथा दूसरे गमले को अँधेरे कमरे में जहाँ सूरज की रोशनी न पहुँचे वहाँ रखिए। अब धूप में रखे गमले में रोज थोड़ा-थोड़ा पानी देते रहिए। अँधेरे कमरे में रखे गमले में पानी मत डालिए। कुछ दिन बाद ध्यान से देखिए दोनों में क्या अंतर आता है?